



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 3 मार्च, 2003/12 फाल्गुन, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

चम्बा, 14 फरवरी, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-175-179.—एतद्वारा श्री जय करण, सदस्य वार्ड 4-प्लाहड़मण, ग्राम पंचायत काथला, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 'ण' की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 'ण' के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर-भीतर दो से अधिक उत्पन्न सन्तान है जब तक उसकी उक्त वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 'ण' का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के

पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है। तथा उक्त प्रावधान होने के पश्चात् उसके अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी भटियात के पत्र संख्या 4786, दिनांक 6-11-2002 द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि आपके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत काथला के जन्म रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 45, दिनांक 13-12-2001 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 2-12-2001 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी पांचवीं सन्तान है जोकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 'ण' के अन्तर्गत अयोग्यता में आता है।

अतः आपको आदेश दिए जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

चम्बा, 14 फरवरी, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-155-159.—एतद्वारा श्री गोकूल सदस्य 4-मंगलोग, ग्राम पंचायत भराड़ा, विकास खण्ड तीसा, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 'ण' के अधीन निरर्हता उन व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर-भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है जब तक उसकी उक्त वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 'ण' का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इन प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् उसके अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी तीसा के पत्र संख्या 1818, दिनांक 30-11-2002 द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि आपके दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत भराड़ा के जन्म रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 17/2001 दिनांक 16-7-2001 के अन्तर्गत है, जिसका जन्म दिनांक 28-6-2001 को हुआ है, जो आपकी चौथी सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 'ण' के अन्तर्गत अयोग्यता में आता है।

अतः आपको आदेश दिए जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

चम्बा, 14 फरवरी, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-190-94.—एतद्वारा श्रीमती कान्ता देवी, सदस्या गुलाहंड-1, ग्राम पंचायत तुरकड़ा, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधन

अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 'ण' की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 'ण' के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर-भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है जब तक उसकी उक्त वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 'ण' का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान होने के पश्चात् उसके अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा।

खण्ड विकास अधिकारी भटियात के पत्र संख्या 478, दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् आपके एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत तुरकड़ा के जन्म रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 41/01, दिनांक 28-10-2001 के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका दिनांक 24-10-2001 को हुआ है व परिवार रजिस्टर अनुसार यह आपकी चौथी सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 'ण' के अन्तर्गत अयोग्यता में आता है।

अतः आपको आदेश दिए जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

चम्बा, 14 फरवरी, 2003

संख्या पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-165—169—एतद्वारा श्री हरि सिंह, सदस्य 3-ओला, ग्राम पंचायत सेईकोठी, विकास खण्ड तीसा, जिला चम्बा का ध्यान हि0 प्र0 पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड "ण" के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर-भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है जब तक उसकी उक्त वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड "ण" का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तथा

उक्त प्रावधान होने के पश्चात् उमके अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा।

खण्ड विकास अधिकारी तीसा के पत्र संख्या 1818, दिनांक 30-11-2002 द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया जाता है कि आपके दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत सेईकोठी के जन्म रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 35, दिनांक 20-11-2001 के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका जन्म दिनांक 14-11-2001 को हुआ है व परिवार रजिस्टर अनुसार यह आपकी पांचवीं सन्तान है जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के अन्तर्गत अयोग्यता में आता है।

अतः आपको आदेश दिये जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

चम्बा, 14 फरवरी, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-185-189.—एतद्वारा श्री कांशी राम, मदस्य मतलाडी-5, ग्राम पंचायत मोरठू, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 'ण' की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 'ण' के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर-भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है जब तक उसकी उक्त वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 'ण' का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् उसके अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी भटियात के पत्र संख्या 4786, दिनांक 6-11-2002 द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि आपके दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत मोरठू के जन्म रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 97, दिनांक 30-7-2002 के अन्तर्गत है जिसका जन्म दिनांक 16-7-2002 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 'ण' के अन्तर्गत अयोग्यता में आता है।

अतः आपको आदेश दिए जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

राहुल आनन्द,

उपायुक्त,

चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)।